रात्रिक्लास 8.4.68

विवेक कहते हैं, बुद्धि कहती है बाप को जानने से फिर बाप द्वारा, मनुष्य जो कुछ नहीं जानते कुछ नहीं समझते। तुम बाप द्वारा बाप को और सभी कुछ समझ सकते हो। बाप ही समझाते हैं। बाप जो समझाते हैं वह है वर्थ–पाऊण्ड। बाकी जो कुछ मनुष्य जानते हैं वह है वर्थ नॉट अ पेनी। बाप समझाते हैं वर्थपाऊण्ड। तो पेनी वर्थ दुनियां खत्म हो जाती है और वर्थपाऊण्ड की दुनियां स्थापन हो जाती है। बाप की समझ क्या है? उनके भेंट में दुनियां की समझ कुछ नहीं है। मनुष्य इस समय वर्थ नॉट अ पेनी है। कुछ भी बुद्धि नहीं है। सभी की तमोप्रधान पतित बुद्धि है ;इसलिए बाप को सभी याद करते हैं; परन्तु उनको पहचानते नहीं हैं। बाप को भी नहीं जानते तो बाप के रचना को भी नहीं जानते तो पत्थर बुद्धि कहेंगे ना। आत्मा की कितनी बुरी गति हो जाती है। बाप द्वारा सभी कुछ जान जाते हो। चक्र को भी जान जाते हो। यह भी समझते हो पवित्र भी ज़रूर बनना है। अक्षर भी गीता है मनमनाभव। बुद्धि क्या से (क्या) हो जाती है। वण्डर है दुनियां भी कुछ नहीं समझती। कुछ भी नहीं जानती। इस समय तुम सभी कुछ जानते हो जो फिर देवताएं भी नहीं जानते। इसको कहा जाता है गुढ़ ज्ञान। नया आदमी तो वण्डर खावेंगे। बाप जो कमाई कराते हैं यह है सच्ची कमाई। 21 जन्मों के लिए। विरला की कमाई क्या है। वह तो सभी खत्म हो जाती है तो तुम बच्चों को कितना नशा चढ़ना चाहिए। है भी बहुत सहज; परन्तु बुद्धि में बैठता ही नहीं है। बाप से पूरी ताकत ले ली तो जैसे कि वर्सा ले लिया। बाप ने विल दे दी और गया। विल पावर यानि बाप अपने विल की पावर तो तुमको देते हैं। फिर मैं चला जाऊँग तो तुम उस पावर से राज्य चलाना। यह समझाने में कितनी मेहनत लगती है। सिर्फ़ आत्मा ही सतोप्रधान बन जावे तो बेड़ा पार है। तुम बच्चे समझते हो इस समय राज्य की स्थापना हो रही है। औरों को कैसे समझावें? गीता के लिए कुछ कहते हैं तो बिगड़ पड़ते हैं। ओपनिंग भी लिखते हैं बरोबर कृष्ण भगवान नहीं है; परन्तु जब समझे। मनुष्य जो कुछ बोलते हैं शास्त्रों के ही आधार पर बोलते हैं तो सभी शास्त्र झूठे सिद्ध हो जाते। बेहद का बाप वर्सा कैसे देते हैं यह तो तुम बच्चे ही समझते हो। मूल बात है सतोप्रधान बनने की। तब लायक भी बनें। विश्व की बादशाही देने वाले बाप को आना पड़ता है। और कोई की बुद्धि में नहीं है। तुम कितने खुशनसीब हो। तुम्हारे जितना खुशनसीब कोई हो न सके। कोई के लिए केस आदि लड़ने का भी टाइम नहीं है। पैसे क्या करेंगे? पिछाड़ी में कहेंगे भगवान को देवें। भगवान कहेंगे हम क्या करेंगे? मैं पक्का सर्राफ हूं। लूँ और मिट्टी में मिल जावे ऐसा कच्चा थोड़े ही बनूँगा। सच्चा–2 रामायण तुम सुनते हो। बाप कहते हैं बन्दर सेना ली है। सभी भक्तियों को, सभी सीताओं को रावण के जेल से छुड़ाते हैं। एक सीता वा द्रौपदी की बात ही नहीं। तुम सभी पार्वतियां अमरकथा सुन रही हो। सारी दुनियां खिट–2 तो बहुत है। हम लोग का कोई से कनैक्शन ही नहीं। हम राय देते हैं। आसमान में जाने की। और कोई राय नहीं दे सकते।

साल्ड काम करो। यह भी जानते हैं तुम ड्रामा के प्लैन अनुसार कर रहे हो। कल्प–2 तुमने किया है ,फिर भी करेंगे। बाप तो रोज़–2 प्वाइन्ट्स समझाते रहते हैं। आदि सनातन धर्म वालों को भी समझाओ। फिर आपे ही वह भी मदद करेंगे। भल ओपनिंग के लिए बड़ों–2 मंगाओ। उन्हों का आवाज़ निकलेगा। जितना तुम अच्छी रीत समझावेंगे तो वह फिर बहुतों को ले आवेंगे। एक–2 को समझाने लिए तुमने अभी म्यूज़ियम की भी युक्ति रची है। आगे तुमको कहते थे बाहर तो निकलो। मैदान में जाओ। ऐसा बाहर निकलो जो बाहर निकल एकदम आसमान (च)ढ़ जाओ। सर्विस, सर्विस और सर्विस। ज्ञान की ऊँची–2 प्वाइन्ट्स तो बहुत मिलती रहती है। ब्राह्मण ही उनको कहा जाये जो सर्विस करते रहे। जो सच्ची गीता न सुनावे वह कोई सच्चा ब्राह्मण थोड़े ही कहलाया जावेगा। अच्छा, मीठे–2 रूहानी बच्चों को रूहानी बापदादा का याद प्यार गुडनाइट। रूहानी मीठे–2 बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते। ओमशान्ति।